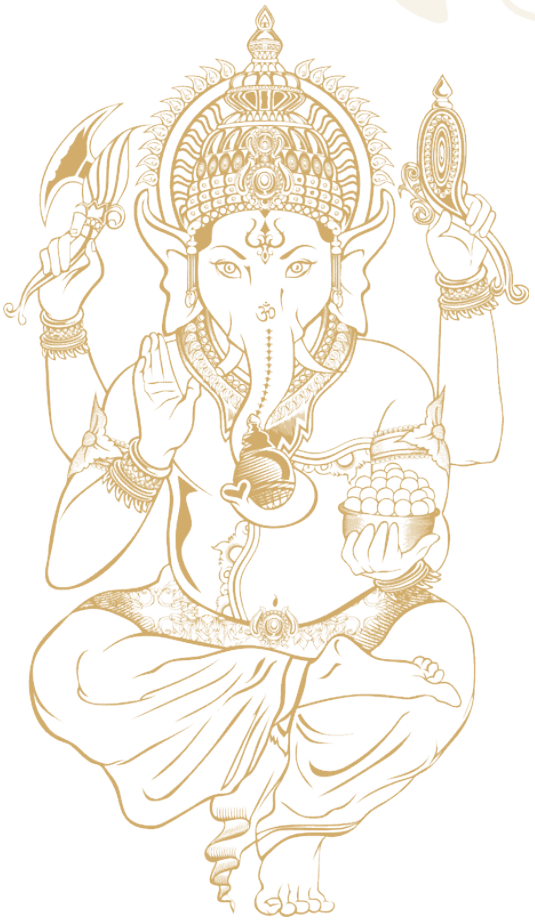

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119251506

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
6-07/06/1991	जन्म तिथि	04/12/1989
गुरु-शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 03:07:00	जन्म समय	15:19:00 घंटे
घटी 54:24:55	जन्म समय(घटी)	20:34:58 घटी
India	देश	India
Rajpura	स्थान	Amritsar
30:29:00 उत्तर	अक्षांश	31:35:00 उत्तर
76:40:00 पूर्व	रेखांश	74:56:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:20	स्थानिक संस्कार	-00:30:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:21:01	सूर्योदय	07:14:24
19:23:25	सूर्यास्त	17:26:29
23:44:30	चित्रपक्षीय अयनांश	23:43:09

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 13वर्ष 10मा 22दि	12:28:34	मेष	लग्न	मेष	12:32:05	मंगल 4वर्ष 6मा 20दि
केतु	21:56:08	वृष	सूर्य	वृश्चि	18:30:33	गुरु
29/04/2022	06:54:54	मीन	चंद्र	मक	27:59:16	25/06/2012
29/04/2029	12:57:24	कर्क	मंगल	तुला	26:44:51	25/06/2028
केतु 26/09/2022	09:48:45	वृष	बुध	धनु	01:26:04	गुरु 13/08/2014
शुक्र 26/11/2023	16:12:48	कर्क	गुरु व	मिथु	15:02:12	शनि 23/02/2017
सूर्य 02/04/2024	07:06:40	कर्क	शुक्र	मक	02:24:12	बुध 01/06/2019
चन्द्र 01/11/2024	12:45:26	मक व	शनि	धनु	18:43:46	केतु 07/05/2020
मंगल 30/03/2025	25:41:10	धनु व	राहु	मक	25:01:37	शुक्र 06/01/2023
राहु 17/04/2026	25:41:10	मिथु व	केतु	कर्क	25:01:37	सूर्य 25/10/2023
गुरु 24/03/2027	19:08:21	धनु व	हर्ष	धनु	10:24:05	चन्द्र 23/02/2025
शनि 02/05/2028	22:25:46	धनु व	नेप	धनु	17:17:30	मंगल 30/01/2026
बुध 29/04/2029	24:30:32	तुला व	प्लूटो	तुला	22:27:06	राहु 25/06/2028

लग्न-चलित

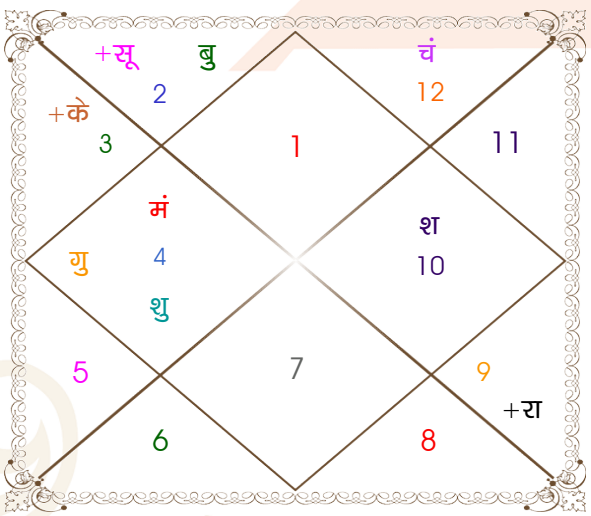

लग्न-चलित

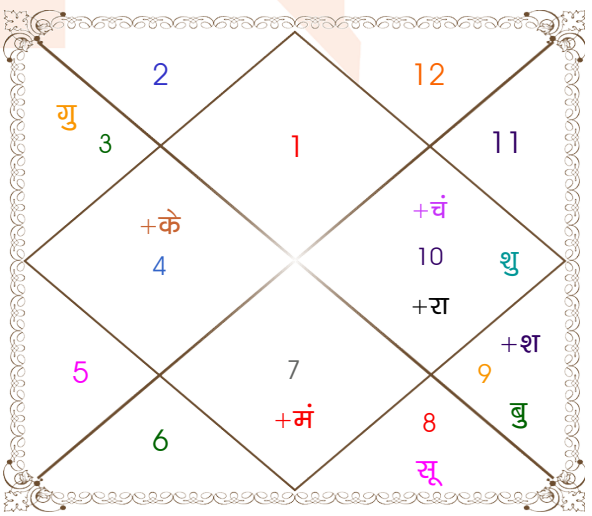

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मीन	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन

हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Ms. कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।